PANDIT DEENDAYAL UPADHYAYA SHEKHAWATI UNIVERSITY, SIKAR

SYLLABUS

एम.ए. (पूर्वाद्ध) हिन्दी साहित्य

(ANNUAL SCHEME)
SESSION 2022-23

PREVIOUS EXAMINATION-2023

प्रथम प्रश्न पत्रः– हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्रः– मध्यकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र :–साहित्यशास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
चतुर्थ प्रश्न पत्रः– हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं पद्य विधाएँ)

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्र	:	हिन्दी साहित्य का इतिहास
द्वितीय प्रश्न पत्र	:	मध्यकालीन काव्य
तृतीय प्रश्न पत्र	:	साहित्यशास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)
चर्तुथ प्रश्न पत्र	:	हिन्दी गद्य (उपन्यास,कहानी एवं अन्य पद्य विधाएँ)

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी विश्वविद्यालय, सीकर

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

प्रथम प्रश्न पत्रः हिन्दी साहित्य का इतिहास

समय 3 घण्टे **पूर्णांकः 100**

(A) हिन्दी साहित्येतिहास के लेखन का इतिहास, काल विभाजन एवं नामकरण, आदिकालीन काव्यधाराएं– सिद्व, नाथ एवं जैन साहित्य, प्रमुख रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की कीर्तिलता और पदावली, आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सामान्य विशेषताएं।

(B) मध्यकालः भक्ति आंदोलन, उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण,भक्ति आंदोलन का अखिल भारतीय स्वरूप और उसका अन्तःप्रादेशिक वैशिष्ट्य।

हिन्दी संत काव्य– वैचारिक आधार, भारतीय धर्म साधना और हिन्दी का संत काव्य, प्रमुख संत कवि–कबीर, नानक ,दादू ,रैदास, रज्जब, तथा जम्भनाथ।
हिन्दी सूफी काव्य–वैचारिक आधार,हिन्दी में प्रेमाख्यानों की परम्परा,सूफी प्रेमाख्यान का स्वरूप, हिन्दी का सूफी काव्य, प्रमुख सूफी कवि –मुल्ला दाऊद, कुतुबन, मंझन तथा जायसी।

हिन्दी कृष्ण काव्य– वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय, कृष्ण भक्ति शाखा के कवि और काव्य। प्रमुख कवि– सूरदास, नन्ददास , मीरा, रसखान

हिन्दी राम काव्य– वैचारिक आधार और विभिन्न सम्प्रदाय,राम भक्ति शाखा के कवि और काव्य।

(C) रीतिकाल–नामकरण की समस्या, तत्कालीन दरबारी संस्कृति और रीतिकाल , प्रमुख प्रवृतियाँ (रीतिबद्ध, रीतिमुक्त, ,रीतिसिद्व), रीतिकाल के प्रमुख कवि– केशवदास, मतिराम, भूषण, बिहारीलाल,देव घनानन्द तथा पद्माकर।

(D) आधुनिक काल का काव्यः
1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुनर्जागरण , भारतेन्दु और उनका मण्डल। द्विवेदी युग– महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग, प्रमुख काव्यधाराएँ– छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता।

(E) आधुनिक काल का गद्य साहित्यः
उपन्यास, कहानी, नाटक, आलोचना, निबंध एवं अन्य विधाएँ।

अंक विभाजनः
कुल पाँच प्रश्न 5x20=100 अंक
सभी प्रश्नों के आन्तरिक विकल्प देय।

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

द्वितीय प्रश्न पत्रः मध्यकालीन काव्य

समय 3 घण्टे पूर्णांकः 100

पाठ्यांश :

(A) भ्रमरगीत सारः सम्पादक रामचन्द्र शुक्ल (पद सख्या 150 से 200 तक कुल 50 पद)

(B) विनय पत्रिकाः गीता प्रेस गोरखपुर (पद सख्या 71 से 100 तक कुल 30 पद)

(C) बिहारी रत्नाकरः 01 से 100 तक

(D) दादू दयालः श्री दादूवाणी – सं. रामप्रसाद दास स्वामी, प्रकाशक दादूदयाल महासभा, जयपुर। अथ राग असावरी , पद सख्या 213 से 245 तक

(E) घनानन्द कवित्तः आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, प्रकाशन (प्रारम्भ के 30 पद)

(F) मीरा मुक्तावली : सम्पादक नरोत्तम स्वामी, श्री राम मेहरा, आगरा (पद सख्या 26 से 50 =25 पद)

अंक विभाजनः

– प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न तथा एक व्याख्या पूछी जायेगी।

–प्रत्येक प्रश्न 12 अंक का होगा। (5x12=60 अंक)

–प्रत्येक व्याख्या 8 अंक की होगी। (5x8=40 अंक)

–प्रश्न एवं व्याख्या विकल्पात्मक होंगे।

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

तृतीय प्रश्न पत्रः साहित्य शास्त्र (भारतीय तथा पाश्चात्य)

समय 3 घण्टे **पूर्णांकः 100**

पाठ्यांश :

क साहित्यिक विधाओं का सैद्वान्तिक स्वरूप (महाकाव्य, खण्डकाव्य, उपन्यास, कहानी, नाटक एकांकी, निबंध, आलोचना,संस्मरण, रेखाचित्र, आत्मकथा, जीवनी एवं गीतिकाव्य)

मिथक ,फंतासी,स्वच्छंतावाद और यर्थाथवाद, समकालीन आलोचना की कतिपय अवधारणाः विसंगति, अन्तर्विरोध, विखण्डनवाद, आधुनिकता, उत्तरआधुनिकतावाद, स्त्रीविमर्श, दलित विमर्श , अश्वेत साहित्य, प्रवासी साहित्य।

ख भारतीय काव्यशास्त्र का इतिहास एवं काव्यशास्त्र के विविध सम्प्रदाय : रस, घ्वनि, वक्रोक्ति, रीति, अलंकार, औचित्य।

ग पाश्चात्य काव्यशास्त्र : अरस्तु, –विरेचन सिद्वान्त, आई.ए.निचर्डस–सम्प्रेषण सिद्धान्त,टी.एस. इलियट–निर्वेयक्तिकतावाद सिद्वान्त, कॉलरिज–कल्पना सिद्वान्त, वर्डसवर्थ–काव्य भाषा सिद्वान्त जॉर्ज लुकाच–यर्थाथवाद, लोंजाइनस–उदात्त तत्व एवं क्रोचे का अभिव्यंजनावाद।

घ हिन्दी के प्रमुख आलोचक– आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, डॉ.रामविलास शर्मा, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, डॉ. नगेन्द्र, रामस्वरूप चतुर्वेदी।

ड़ आलोचना (सैद्वान्तिक तथा व्यावहारिक)

1. हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास
2. हिन्दी का आलोचना शास्त्र –पाठालोचन, सैद्वान्तिक, ऐतिहासिक,तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोवैज्ञानिक, नयी समीक्षा।

अंक विभाजनः

प्रत्येक इकाई से एक –एक प्रश्न पूछा जायेगा।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का होगा।

सभी प्रश्नों के विकल्प देय होंगे।

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध) हिन्दी

चतुर्थ प्रश्न पत्रः हिन्दी गद्य (उपन्यास, कहानी एवं अन्य गद्य विधाएँ)

समय 3 घण्टे **पूर्णांकः 100**

पाठ्यांश :

(A) गोदान : प्रेमचंद

(B) तमस : भीष्म साहनी

(C) आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर

(D) अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा

(E) निर्धारित आधुनिक कहानियाँ

(i) दुलाईवाली– बंग महिला (राजेन्द्र बाला घोष)

(ii) पुरस्कार – जयशंकर प्रसाद

(iii) ईदगाह – प्रेंम चन्द

(iv) लाल पान की बेगम –फणीश्वर नाथ रेणु

(v) यही सच है – मन्नू भंडारी

(vi) कोसी का घटवार – शेखर जोशी

(vii) सिक्का बदल गया –कृष्णा सोबती

(viii) पिता – ज्ञानारंजन

अंक विभाजनः

प्रत्येक इकाई में एक–एक प्रश्न एवं व्याख्या पूछी जायेगी।

सभी प्रश्न एवं व्याख्याएं विकल्पात्मक होगी।

प्रश्न 12 अंक के होंगे। 5x12=60 अंक

व्याख्या 8 अंक की होंगी। 5x8=40 अंक

उप कुलसचिव
पंडित दीनदयाल उपाध्याय शेखावाटी
विश्वविद्यालय, सीकर (राज.)